सरस्वती चालीसा

॥ दोहा ॥

जनक जननि पदम दुरज,

निज मस्तक पर धारि।

बन्दौं मातु सरस्वती,

बुद्धि बल दे दातारि।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पूर्ण जगत में व्याप्त तव,

महिमा अमित अनंतु।

राम सागर के पाप को,

मातु तुही अब हन्तु॥

॥ चौपाई ॥

जय श्रीसकल बुद्धि बलरासी,

जय सर्वज्ञ अविनाशी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जय जय जय वीणाकर धारी,

करती सदा सुहंस सवारी।

रूप चर्तुभुजधारी माता,

सकल विश्व अन्दर विख्याता।

जग में पाप बुद्धि जब होती,

तबही धर्म की फीकी ज्योति।

हिन्दीपथ.कॉम

तबहि मातु का निज अवतारा,

पाप हीन करती महि तारा।

बाल्मीकि जी थे हत्यारा,

तब प्रसाद जानै संसारा।

रामचरित जो रचे बनाई,

आदि कवि पदवी को पाई।

कालिदास जो भये विख्याता,

तेरी कृपा दृष्टि से माता।

तुलसी सूर आदि विद्वाना,

भये और जो ज्ञानी नाना।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तिन्ह न और रहेउ अवलम्बा,

केवल कृपा आपकी अम्बा।

करहु कृपा सोई मातु भवानी,

दुखित दीन निज दासहि जानी।

पुत्र करई अपराध बहूता,

तेहि न धरइ चित सुन्दर माता।

राखु लाज जननि अब मेरी,

विनय करु भाँति बहुतेरी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मैं अनाथ तेरी अवलम्बा,

कृपा करऊ जय जय जगदम्बा।

मधु कैटभ जो अति बलवाना,

बाहुयुद्ध विष्णु से ठाना।

समर हजार पांच में घोरा,

फिर भी मुख उनसे नहीं मोरा।

मातु सहाय कीन्ह तेहि काला,

बुद्धि विपरीत भई खलहाला।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तेहि ते मृत्यु भई खल केरी,

पुरवहु मातु मनोरथ मेरी।

चंड मुण्ड जो थे विख्याता,

छण महु संहारेउ तेहिमाता।

रक्तबीज से समरथ पापी,

सुरमुनि हृदय धरा सब कॉपी।

काटेउ सिर जिम कदली खम्बा,

बार बार बिनऊं जगदंबा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जगप्रसिद्धि जो शुंभनिशुंभा,

छण में वधे ताहि तू अम्बा।

भरत-मातु बुद्धि फेरेऊ जाई,

रामचन्द्र बनवास कराई।

एहिविधि रावन वध तू कीन्हा,

सुर नर मुनि सबको सुख दीन्हा।

को समरथ तव यश गुन गाना,

निगम अनादि अनंत बखाना।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

विष्णु रुद्र अज सकहिन मारी,

जिनकी हो तुम रक्षाकारी।

रक्त दन्तिका और शताक्षी,

नाम अपार है दानव भक्षी।

दुर्गम काज धरा कर कीन्हा,

दुर्गा नाम सकल जग लीन्हा।

दुर्ग आदि हरनी तू माता,

कृपा करहु जब जब सुखदाता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नृप कोपित को मारन चाहै,

कानन में घेरे मृग नाहै।

सागर मध्य पोत के भंजे,

अति तूफान नहिं कोऊ संगे।

भूत प्रेत बाधा या दुःख में,

हो दरिद्र अथवा संकट में।

नाम जपे मंगल सब होई,

संशय इसमें करइ न कोई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पुत्रहीन जो आतुर भाई,

सबै छाँडि पूजें एहि माई।

करै पाठ निज यह चालीसा,

होय पुत्र सुन्दर गुण ईशा।

धूपादिक नवैद्य चढ़ावै,

संकट रहित अवश्य हो जावै।

भक्ति मातु की करें हमेशा,

निकट न आवै ताहि कलेशा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बंदी पाठ करें सत बारा,

बंदी पाश दूर हो सारा।

राम सागर बाधि हेतु भवानी,

कीजै कृपा दास निज जानी।

॥ दोहा ॥

मातु सूर्य कान्ति तव,

अन्धकार मम रूप।

डूबन से रक्षा करहु,

परूँ न मैं भव कूप॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

बल बुद्धि विद्या देहु मोहि,

सुनहु सरस्वती मातु।

राम सागर अधम को

आश्रय तू ही ददातु॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा

हिंदीपथ.कॉम